Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

पर

प्रचार करना, प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञा का देश, प्रतिफल, प्रतिष्ठित, प्रधान, प्रफुल्लित, प्रबंधक, प्रभु, प्रभु का दिन, प्रभु भोज, प्रभु यहोवा, प्रभुता, प्रभेद करना, प्रसव-प्रक्रिया, प्रांत, प्राचीन, प्राण, प्राणी, प्रायश्चित, प्रायश्चित, प्रायश्चित का ढकना, प्रार्थना कर, प्रार्थना किया, प्रिय, प्रिस्किल्ला, प्रेम, प्रेमी, प्रेरित, प्रोत्साहित करना

प्रचार करना

परिभाषा:

"प्रचार करना" का अर्थ है, जनसमूह से बातें करना, उन्हें परमेश्वर के बारे में शिक्षा देना और परमेश्वर की आज्ञाएं मानने के लिए प्रेरित करना। "घोषणा" करने का अर्थ है, सार्वजनिक रूप से किसी बात की साहसपूर्वक घोषणा करना या प्रचार करना।

प्रचार करना

- प्रचार प्रायः एक मनुष्य द्वारा जनसमूह में किया जाता है। प्रचार बोलकर किया जाता है, लिखकर नहीं।
- "प्रचार" और "शिक्षण" समान बात है परन्तु एक से नहीं हैं।
- "प्रचार" अर्थात आत्मिक या नैतिक सत्य की उद्घोषणा करना और श्रोताओं से प्रतिक्रिया का आग्रह करना है। "शिक्षण" में निर्देशनों पर बल दिया जाता है, अर्थात् मनुष्यों को जानकारी देना या उन्हें शिक्षण प्रदान करना कि किसी कार्य को उन्हें कैसे करना है।
- "प्रचार" अधिकतर "सुसमाचार" शब्द के साथ काम में लिया जाता है।
- प्रचारक मनुष्यों में प्रचार करता है तो उसे सामान्यतः उसकी "शिक्षाएं" कहते हैं।
- बाइबल में, "प्रचार" का का अर्थ प्रायः यह है, सार्वजनिक रूप से किसी ऐसी बात की घोषणा करना है, जिसकी आज्ञा परमेश्वर ने दी है, या मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में समझाना कि वह कैसा महान है।
- नए नियम में, प्रेरितों ने यीशु के बारे में कई अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों के लोगों को सुसमाचार सुनाया।
- "घोषणा" शब्द का उपयोग राजाओं द्वारा किए गए फरमानों के लिए या बुराई की सार्वजनिक निंदा करने के लिए भी किया जा सकता है।
- "घोषणा" का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, में "जनता को सुनाना" या "सार्वजनिक उपदेश करना" या "सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करना।"
- "उद्घोषणा" शब्द का अनुवाद भी ऐसा ही हो सकता है, "सार्वजनिक प्रकाशन" या "सार्वजनिक प्रचार" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: घोषणा करना, सुसमाचार, यीशु, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 4:1–2
- प्रेरि. 8:4–5
- प्रेरि. 10:42–43
- प्रेरि. 14:21–22
- प्रेरि. 20:25
- लूका 4:42
- मत्ती 3:1–3
- मत्ती 4:17
- मत्ती 12:41
- मत्ती 24:14
- प्रेरि. 9:20–22
- प्रेरि. 13:38–39
- योना 3:1–3
- लूका 4:18–19
- मर. 1:14–15
- मत्ती 10:26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:2** यूहन्ना ने उनसे **कहा**, "मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !"
- **30:1** यीशु ने **प्रचार करने** के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:1** यीशु मसीह ने तीन साल बाद **उपदेश** और शिक्षा देना आरम्भ किया था। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का पर्व मनाना चाहता था, और वह वहाँ मार डाला जाएगा।
- **45:6** तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का **प्रचार करते रहे**

प्रतिज्ञा

- **45:7** वह ९फिलिप्पुस सामरिया नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में **प्रचार** किया और वहाँ बहुत से लोगों बचाए गए।
- _46:6_तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से **प्रचार करने लगा** कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:10** फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में **प्रचार करने** के लिये भेज दिया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का **प्रचार किया** और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **50:2** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का **प्रचार करेंगे**, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स:
  - प्रचार करना: H1319, H7121, H7150, G1229, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G4283
  - प्रचार: H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G4135

प्रतिज्ञा

परिभाषा:

"प्रतिज्ञा" को जब क्रिया रूप में काम में लिया जाता है कि मनुष्य कहता है कि वह कुछ करेगा तो इसका तात्पर्य है, वह अपने वचनों को पूरा करने के लिए बाध्य है| जब इसका प्रयोग संज्ञा रूप में किया जाता है, तब इसका "प्रतिज्ञा" शब्द का सन्दर्भ उस बात से होता है जिसको करने के लिए वह व्यक्ति विशेष विवश है|

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रतिज्ञा" शब्द का अनुवाद, "समर्पण" या "आश्वासन" या "विश्वास दिलाना" हो सकता है।
- "किसी काम को करने की प्रतिज्ञा" का अनुवाद, "किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, प्रण)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 3:15–16
- उत्पत्ति 25:31–34
- इब्रानियों 11:9
- याकूब 01:12
- गिनती 30:2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **3:15** परमेश्वर ने कहा "मैं **प्रतिज्ञा** करता हूँ कि मनुष्यों के बुरे कर्मों के कारण फिर कभी भूमि को शाप नहीं दूंगा या बाढ़ से दुनिया को नष्ट करूंगा, यद्यपि मनुष्य जन्म से ही पापी है।
- **3:16** तब परमेश्वर ने अपनी **वाचा** के चिह्न के स्वरुप में मेघ धनुष स्थापित किया। जब -जब आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **4:08** परमेश्वर ने अब्राम से बातें कीं और **वाचा** दोहराया कि उसको पुत्र प्राप्ति होगी और उसका वंश आकाश में तारो के सामान होगा। अब्राम ने परमेश्वर की **वाचा** पर विश्वास किया।
- **5:4** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह **प्रतिज्ञा** का पुत्र होगा।
- **8:15** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी उसकी **प्रतिज्ञाएं** अब्राहम के बाद इसहाक, और इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवारों के लिए भी रहीं|
- **17:14** दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी **वाचा** पर खरा था।
- **50:1** यीशु ने **प्रतिज्ञा** की कि वह संसार के अंत में पुनः आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपनी _प्रतिज्ञा_पूरी करेगा|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा का देश

तथ्य:

"प्रतिज्ञा का देश" बाइबल की कहानियों में आता है बाइबल के सन्देश में नहीं। यह कनान देश के संदर्भ की एक विधि है वह देश जो परमेश्वर ने अब्राहम और उसके वंशजों को देने की प्रतिज्ञा की थी।

- जब अब्राहम ऊर नगर में रहता था तो परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी कि वह वहाँ से निकल कर कनान देश में चला जाए। वह और उसके वंशज इस्राएली वहाँ अनेक वर्ष तक रहे।
- जब भयंकर अकाल के कारण वहाँ भोजन समाप्त हो गया तब इस्राएली मिस्र चले गए।
- चार सौ वर्षों के बाद परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से मुक्ति दिलाई और उन्हें लौटकर कनान लाया, वह स्थान जिसे देने की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने उनसे की थी।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रतिज्ञा का देश" इसका अनुवाद हो सकता है, "वह देश जिसके लिए परमेश्वर ने अब्राहम से कहा था कि वह उसे देगा"। या "वह देश जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अब्राहम से की थी", या "जिस देश की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अपने लोगों से की थी" या "कनान देश"।
- बाइबल के अभिलेखों में किसी न किसी रूप में यह "परमेश्वर की प्रतिज्ञा का देश" प्रकट होता है।

(यह भी देखें: कनान, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 08:1–2
- यहेजकेल 07:26–27

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:01** अब वह (इस्राएली) दास नहीं रहे, और वह **प्रतिज्ञा की भूमि** पर जा रहे थे!!
- **14:01** इस्राएलीयों को सीनै पर्वत पर नियम देने के बाद, जिनका उन्हें वाचा के अनुसार पालन करना था, परमेश्वर ने इस्राएलियों का मार्ग दर्शन **प्रतिज्ञा की भूमि**, कनान तक किया |.
- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **14:14** फिर परमेश्वर लोगों को **प्रतिज्ञा की भूमि** के किनारे तक फिर से ले गया .
- **15:02** इस्राएलियों को **प्रतिज्ञा की भूमि** में प्रवेश करने से पहले यरदन नदी को पार करना था |
- __15:12__युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को **प्रतिज्ञा की भूमि** में अपना अपना भाग दिया |
- **20:09** यह वह समय था जब परमेश्वर के लोगों को **प्रतिज्ञा की भूमि** को छोड़ने के लिए विवश किया गया, यह अवधि निर्वासन कहलाई |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H3068, H3423, H5159, H5414, H7650

प्रतिफल

परिभाषा:

"प्रतिफल" शब्द का अर्थ है,मनुष्य के कर्मों का फल: अच्छे कामों का या बुरे कामों का| किसी को "प्रतिफल" देने का अर्थ है, मनुष्य को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना; परन्तु यह "पारिश्रीमिक" के विचार से सर्वथा भिन्न है क्योंकि उसका अर्थ

है भुगतान (प्रायः पैसों में) जो किए गए काम के बदले में होता है।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिसे मनुष्य तब पाता है जब वह कोई भला काम करता है या जब वह परमेश्वर की आज्ञा मानता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक बातों अर्थात अनर्थकारी कामों के सन्दर्भ में भी होता है जो अनुचित व्यवहार से उत्पन्न होते हैं, जैसे कहा जाता है, "दुष्ट का प्रतिफल" इस संदर्भ में जो "प्रतिफल" दिया जाता है वह दंड या नकारात्मक परिणामों के सन्दर्भ में होता है जो मनुष्य के पापी कार्यों के कारण होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "प्रतिफल" का अनुवाद "भुगतान" या

"योग्य कोई बात" या "दण्ड" हो सकता है।

- किसी को "प्रतिफल देना" का अनुवाद हो सकता है, "बदले में देना" या "दंड"देना या "जो योग्य है वह देना"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:6
- यशायाह 40:10
- लूका 6:35
- मरकुस 9:40–41
- मत्ती 5:11–12
- मत्ती 6:3–4
- भजन-संहिता 127:3–5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0319, H0866, H0868, H1576, H1578, H1580, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7938, H7939, H7999, G04690, G05140, G05910, G26030, G34050, G34060, G34080

प्रतिष्ठित

परिभाषा:

"प्रतिष्ठित" अर्थात श्रेष्ठ और उच्च गुण की वस्तु। "रईस" उच्च राजनीतिक या सामाजिक स्तर का मनुष्य। एक व्यक्ति "कुलीन जन्म का" व्यक्ति वह है जो जन्म से ही एक कुलीन व्यक्ति है।

- रईस प्रायः किसी राज्य का अधिकारी,होता था और राजा का निकट कर्मचारी होता था।
- "रईस" शब्द का अनुवाद "राजा का अधिकारी" या "सरकारी अधिकारी" किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 23:20–21
- दानिय्येल 04:36
- सभोपदेशक 10:17
- लूका 19:12
- भजन संहिता 016:1–3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H117, H1419, H2715, H3358, H3513, H5057, H5081, H6440, H6579, H7336, H7261, H8282, H8269, G937, G2104,

प्रधान

परिभाषा:

"प्रधान" शब्द किसी जाति के सबसे अधिक अधिकार-संपन्न या सर्वाधिक महत्वपूर्ण अगुवे को संदर्भित करता है।

- इसके उदाहरण हैं, "प्रधान बजानेवाला", "प्रधान याजक" और "चुंगी लेने वालों का प्रधान" तथा "प्रधान शासक"।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल के "प्रधान" कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद "प्रमुख" या "शासक" किया जा सकता है जैसे "प्रमुख बजानेवाला" या "सत्ताधारी याजक"।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 1:11–13
- यहेजकेल 26:15–16
- लूका 19:2
- भजन संहिता 4:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G07490, G07500, G07540, G44100, G44130, G55060

प्रफुल्लित

परिभाषा:

"आनन्द करना" और "आनन्द" का संदर्भ किसी सफलता और विशेष आशीष के कारण अत्यधिक आनन्दित होने से है।

- "आनन्द करने में" किसी अद्भुत बात के उत्सव की भावना होती है।
- मनुष्य परमेश्वर की भलाई में आनन्द मना सकता है
- "आनन्द करनेवाले" के हर्ष की भावना में घमण्ड भी हो सकता है, सफलता या समृद्धि के कारण।
- "आनन्द मनाना" का अनुवाद "हर्षोल्लास" या "बड़े आनन्द के साथ स्तुति करना" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "आनन्द करना" का अनुवाद "विजय के साथ स्तुति करना" या "आत्म प्रशंसा के साथ उल्लासित होना" या "अभिमान" हो सकता है।

(यह भी देखें: हठीले, आनन्द, स्तुति, आनन्द मनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 2:1
- यशायाह 13:3
- अय्यूब 6:10
- भजन संहिता 68:1–3
- सपन्याह 2:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5539, H5947, H5970

प्रबंधक

परिभाषा:

“प्रबंधक” या "भण्डारी" बाइबल में यह शब्द उस सेवक के लिए काम में लिया गया है जो अपने स्वामी की सम्पदा और व्यापार को संभालता है।

- भण्डारी के बहुत उत्तरदायित्व होते थे जिनमे अन्य सेवकों के कार्यों का पर्यवेक्षण भी था।
- “प्रबंधक ” भण्डारी के लिए एक आधुनिक शब्द है। दोनों शब्दों का संदास्भ उस मनुष्य से है जो किसी के व्यावहारिक विषयों को संभालना।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद “पर्यवेक्षक” या “घरेलू व्यवस्थापक” या “प्रबंध करनेवाला सेवक” या “व्यवस्था करने वाला मनुष्य” हो सकता है।

(यह भी देखें: सेवक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 3:4–5
- उत्पत्ति 39:4
- उत्पत्ति 43:16
- यशा. 55:10–11
- लूका 8:3
- लूका 16:2
- मत्ती 20:8–10
- तीतुस 1:7

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0376, H4453, H5057, H6485, G20120, G36210, G36230

प्रभु

परिभाषा:

बाईबल में "प्रभु" शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः उस मनुष्य से है जिसके पास नया लोगों का स्वामित्व या उन पर अधिकार होता है| बाईबल में, इस शब्द को अनेक अनन्य लोगों के लिए काम में लिया गया है, वरन परमेश्वर के लिए भी|

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” (sir) किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

जब प्रभु शब्द को बड़े अक्षर से आरम्भ किया जाए तो यह परमेश्वर का उपनाम है| (टिप्पणी: जब इसका उयोग किसी को संबोधित करने के लिए या जब यह वाक्य के आरम्भ में हो तो इसका प्रथम अक्षर बड़ा होता है और इसका अर्थ, "महोदय" या "स्वामी" होता है|)

- पुराने नियम में, इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में किया जाता है जैसे, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" "यहोवा हमारा प्रभु"
- नए नियम में,प्रेरीतों ने इस शब्द को ऐसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है जैसे, "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जिसका अर्थ है, यीशु परमेश्वर है|
- नए नियम में "प्रभु" शब्द अकेला भी काम में लिया गया है जो सीधा परमेश्वर के सन्दर्भ में है- विशेष करके पुराने नियम के सन्दर्भों में| उदाहरणार्थ, पुराने नियम में: "धन्य है वह जो यहोवा के नाम में आता है" और नए नियम में इसी को इस प्रकार संदर्भित किया गया है: "धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आता है
- ULT और UST में, "प्रभु" शब्द, इब्रानी शब्द और यूनानी शब्द का शाब्दिक अनुवाद किया गया है| वह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद कदापि नहीं है, जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है|
- कुछ भाषाओं में, "प्रभु" शब्द का अनुवाद, "स्वामी" या "शासक" या अन्य किसी शब्द में किया गया है जिसका अर्थ, स्वामित्व या सर्वोच्च शासन है|
- उचित सन्दर्भों में अनेक अनुवादों में इस शब्द का प्रथम शब् बड़ा रखा गया है कि पाठकों के लिए स्पष्ट हो जाए कि यह परमेश्वर के लिए एक उपनाम मात्र है|
- नए नियम में जब पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है तब "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर के सन्दर्भ में है|

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द के सहार्थी शब्द के द्वारा किया जा सकता है जब दासों के स्वामी के सन्दर्भ में हो।इसका उपयोग सेवक द्वारा अपने नियोजक के लिए भी किया जा सकता है|

- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के संबोधन में सम्मानित शब्द से किया जा सकता है, जैसे, "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए इस शब्द को उपनाम माना जाए: अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L"

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, ruler, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:2
- यहोशु 3:9–11
- भजन. 86:15–17
- यिर्मयाह 27:4
- विलापगीत 2:2
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 9:9
- दानिएल 9:17–19
- मलाकी 3:1
- मत्ती 7:21–23
- लूका 1:30–33
- लूका 16:13
- रोमियों 6:23
- इफिसियों 6:9
- फिलिप्पियों 2:9–11
- कुलुस्सियों 3:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 2:1
- 1 पतरस 1:3
- यहूदा 1:5
- प्रका. 15:4

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **25:5** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू **प्रभु** अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:7** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू **प्रभु** अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:3** यह **प्रभु** के कृपा का वर्ष है।

प्रभु का दिन

- _27:2_व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने **परमेश्वर** से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:5** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे **गुरु**’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:9** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे **प्रभु** भी ठहराया और मसीह भी।”
- _47: 3_इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने **स्वामियों** के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो **प्रभु** है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0113, H0136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G02030, G06340, G09620, G12030, G29620

प्रभु का दिन

वर्णन:

पुराने नियम में “यहोवा का दिन” निश्चित समय (समयों) के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है जब परमेश्वर मनुष्यों को पाप का दण्ड देगा।

- नये नियम में “प्रभु का दिन” उस दिन या समय के संदर्भ में है जब प्रभु यीशु समय के अंत में मनुष्यों का न्याय करने के लिए पुनः आएगा।
- न्याय और पुनरुत्थान का यह अन्तिम भावी समय जिसे कभी कभी “अन्तिम दिन” भी कहते हैं। यह समय तब आरंभ होगा जब प्रभु यीशु पापियों का न्याय करने आएगा और अपना स्थाई राज्य स्थापित करेगा।
- इन उक्तियों में “दिन” शब्द कभी-कभी वास्तविक दिन के ही संदर्भ में होता है या यह “समय” या “अवसर” के संदर्भ में हो सकता है जिसकी अवधि दिन से अधिक हो सकती है।
- कभी-कभी दण्ड को “परमेश्वर के क्रोध का उंडेला जाना” भी कहते हैं जो विश्वास नहीं करने वालों पर आएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के आधार पर “यहोवा का दिन” का अनुवाद होगा, “यहोवा का समय” या “वह समय जब यहोवा अपने बैरियों को दण्ड देगा” या “यहोवा के क्रोध का समय."
- “प्रभु का दिन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “प्रभु के न्याय का समय” या “वह समय जब प्रभु यीशु मनुष्यों का न्याय करने आएगा”

(यह भी देखें: दिन, न्याय का दिन, प्रभु, पुनरुत्थान, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 5:5
- 1 थिस्सलुनीकियों 5:2
- 2 पतरस 3:10
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:2
- प्रे.का. 2:20–21
- फिलिप्पियों 1: 9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H3117, G2250, G2962

प्रभु भोज

परिभाषा:

- "प्रभु भोज" प्रेरित पौलुस इस उक्ति को फसह के भोज के लिए काम में लेता है जो यीशु ने अपने शिष्यों के साथ उस रात खाया था जब यहूदी अगुओं ने उसे बन्दी बनाया था।
- इस भोजन के समय यीशु ने फसह की रोटी को तोड़कर अपनी देह की उपमा दी जो शीघ्र ही प्रताड़ित की जाएगी और मार डाली जायेगी।
- दाखरस के कटोरे को उसने अपना लहू कहा जो शीघ्र ही बहाया जायेगा जब वह पापबलि होकर मरेगा।
- यीशु ने आज्ञा दी थी कि उसके शिष्य जब भी इस भोज में सहभागी हों तब वे उसकी मृत्यु और पुनरूत्थान को सदैव स्मरण करें।
- कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखे पत्र में प्रेरित पौलुस ने मसीह के विश्वासियों के लिए इस भोज को एक नियमित अभ्यास बना दिया था।
- आज कलीसियाएं प्रभु भोज के लिए "सहभागिता" उक्ति का उपयोग करती हैं। "अन्तिम भोज" उक्ति का भी कभी-कभी उपयोग किया जाता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस उक्ति का अनुवाद "प्रभु का भोज" या "हमारे प्रभु यीशु का भोज" या "प्रभु यीशु को स्मरण करने का भोज" भी कहा जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:20
- 1 कुरिन्थियों 11:25–26

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G11730, G29600

प्रभु यहोवा

तथ्य:

पुराने नियम में इस शब्द का अर्थ है एकमात्र सच्चा परमेश्वर।

- "प्रभु" उपनाम है और यहोवा परमेश्वर का नाम है।
- यहोवा के साथ परमेश्वर शब्द भी लिखा जाता है, "यहोवा परमेश्वर"

अनुवाद के सुझाव:

- यदि "यहोवा" का कोई रूप परमेश्वर के नाम के अनुवाद के लिए उपयोग किया जाता है, तो शब्द "प्रभु यहोवा" और "यहोवा परमेश्वर" शब्द का शाब्दिक रूप से अनुवाद किया जा सकता है। ध्यान दे कि "प्रभु" का अनुवाद परमेश्वर को संदर्भित करते समय कैसा हो।
- कुछ भाषाओं में पदनाम बाद में लिखा जाता है, अतः अनुवाद होगा, "यहोवा प्रभु"। लक्षित भाषा में जो भी स्वाभाविक है इसका प्रयोग करें: "प्रभु" शीर्षक "यहोवा" के पहले हो या बाद में।
- "यहोवा परमेश्वर" का अनुवाद "परमेश्वर जो यहोवा कहलाता है" या "जीवित परमेश्वर" या "मैं हूँ जो परमेश्वर है"।
- यदि अनुवाद में "याहवे" को यहोवा या परमेश्वर लिखा जा रहा है तो "प्रभु यहोवा" का अनुवाद होगा "प्रभु परमेश्वर" या "परमेश्वर जो प्रभु" है। अन्य संभावित अनुवाद रूप है, "स्वामी प्रभु" या "प्रभु परमेश्वर"।
- "प्रभु यहोवा" का अनुवाद, "प्रभु-प्रभु" कभी नहीं किया जाए क्योंकि पाठक इन शब्दों का अन्तर नहीं देख पाएंगे जिन्हें इनके लिए पारम्परिक रूप से काम में लिया जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वामी, प्रभु, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3–4
- 2 शमूएल 07:21–23
- व्यवस्थाविवरण 03:23–25
- यहेजकेल 39:25–27
- यहेजकेल 45:18–20
- यिर्मयाह 44:26–28
- न्यायियों 06:22–24
- मीका 01:2–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H430, H3068, G2316, G2962

प्रभुता

परिभाषा:

"प्रभुता" शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, "अधिकार", "सामर्थ्य" या "नियंत्रण"।
- "पर प्रभुता" का अनुवाद हो सकता है, "पर शासन" या "प्रबन्धन"।

(यह भी देखें: अधिकार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10–11
- कुलुस्सियों 01:13–14
- यहूदा 01:24–25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभेद करना

परिभाषा:

"भेद करना" (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझना कि कोई बात सही है या गलत।

- "समझने की शक्ति" (विवेक) समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "भेद करना" का अनुवाद, "समझना" या "अन्तर पहचानना" या "अच्छे और बुरे में भेद करना" या "किसी बात का उचित निर्णय लेना" या "सही को गलत से अलग करके देखना" हो सकता है।
- "विवेक" का अनुवाद "समझना" या "अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता" हो सकता है।

(यह भी देखें: न्याय, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 3:7–9
- उत्पत्ति 41: 33–34
- नीतिवचन 1:5
- भजन संहिता 19:12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0995, H2940, H4209, H5234, H8085, G03500, G12520, G12530, G29240

प्रसव-प्रक्रिया

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग शब्द “प्रसव” का तात्पर्य महिला द्वारा बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया से है।

- वाक्यांश "प्रसव पीड़ा में" का प्रयोग अक्सर उस महिला का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया में होती है।
- वाक्यांश "प्रसव पीड़ा" उस दर्द को संदर्भित करता है जो एक महिला जन्म देने की प्रक्रिया में अनुभव करती है।
- अंग्रेजी में, “प्रसव” शब्द का प्रयोग बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया को दर्शाने के लिए किया जाता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए बिल्कुल अलग शब्द हो सकता है।
- “प्रसव पीड़ा में” वाक्यांश का अनुवाद करने का एक और तरीका है “जन्म देना”

(यह भी देखें: प्रसव पीड़ा)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

प्रांत

तथ्य:

प्रान्त, विशाल क्षेत्रों को संदर्भित करते शब्द हैं जिनमें किसी देश या साम्राज्य को प्रशासनिक सुविधा हेतु विभाजित किया जाता था । में किसी देश या साम्राज्य का एक भाग होता है। "प्रांतीय" शब्द प्रान्त से संबन्धित किसी बात का विवरण देता है, जैसे की प्रांतीय हाकिम।

- उदाहरणार्थ, प्राचीन फारसी राज्य प्रान्तों में विभाजित था जैसे मादी, फारस, सीरिया और मिस्र।
- नये नियम के युग में रोमी साम्राज्य भी प्रान्तों में विभाजित था जैसे मकिदुनिया, एशिया, सीरिया, यहूदिया, सामरिया, गलील तथा गलातिया।
- प्रत्येक प्रदेश का अपना प्रशासनिक अधिकारी था जो साम्राज्य के राजा या शासक के अधीन था। ऐसे प्रशासक को “प्रांतीय आधिकारी”या“अधिपति” कहते थे।
- “प्रान्त” और “प्रांतीय” का अनुवाद, “क्षेत्र” और “क्षेत्रीय” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एशिया, मिस्र, एस्तेर, गलतिया, गलील, यहूदिया, मकिदुनिया, मादी, रोम, सामरिया, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 19:30
- दानिय्येल 03:02
- दानिय्येल 06:02
- सभोपदेशक 02:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4082, H4083, H5675, H5676, G1885

प्राचीन

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, प्राय: पुरुष) जो समुदाय में परिपक्व वयस्क और अगुए बनाने योग्य पर्याप्त वृद्धावस्था को प्राप्त कर चुके हैं हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के बाल पके हुए होना चाहिए, उनकी संतान वयस्क हो, या हो सके तो उनके नाती-पोते वरन उनकी भी संतान हों।

प्राण

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में "प्राचीन" इस्राएलियों को न्याय और मूसा की व्यवस्था में मार्गदर्शन प्रदान करते थे|
- नये नियम में यहूदी "प्राचीन" अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही "प्राचीन" विश्वासियों की स्थानीय मण्डलियों को आत्मिक क्षेत्र में अगुआई प्रदान करते थे। उन कलीसियाओं में प्राचीनों में यदा-कदा युवक भी थे जो आत्मिकता में परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "वृद्ध पुरुषों" या "कलीसिया की अगुआई करने वाले आत्मिकता में परिपक्व पुरुष”

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1–3
- 1 तीमुथियुस 3:1–3
- 1 तीमुथियुस 4:14
- प्रे.का. 5:19–21
- प्रे.का. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23–24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राण

परिभाषा:

“प्राण” शब्द सामान्यतः किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के स्वयं के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसका "प्राण" देह का त्याग कर देता है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को मनुष्य का वह भाग कहाजा सकता है जो "परमेश्वर से सम्बन्ध बनाता है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद हो सकता है, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः इस प्रकार हो सकता है, “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को गहराई से समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7–9
- प्रे.का. 02:27–28
- प्रे.का. 02:40–42
- उत्पत्ति 49: 5–6
- यशायाह 53:10–11
- याकूब 01:19–21
- यिर्मयाह 06:16–19
- योना 02:7–8
- लूका 01:46–47
- मत्ती 22:37–38
- भजन-संहिता 019:7–8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राणी

परिभाषा:

"प्राणी" का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह सामान्य नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि इस शब्द में परमेश्वर द्वारा सृजित सब वस्तुओं को समाहित किया गया है-जीवित तथा निर्जीव दोनों को (जैसे भूमि, जल, सितारे). "प्राणी" शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "प्राणी" का अनुवाद "जीव" या "जीवित प्राणी" या "सृजित प्राणी" भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन "प्राणियों" का अनुवाद "सभी जीवित प्राणी" या "मनुष्य और पशु" या "पशु" या "मनुष्य।"

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 4:10–12
- यहेजकेल 1:9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46–47
- प्रकाशितवाक्य 19:3–4

शब्द तथ्य:

- स्त्रोंग्स: H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G22260, G29370, G29380

प्रायश्चित

परिभाषा:

"प्रायश्चित करना" और "प्रायश्चित" का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की बलि का प्रावधान एवं पाप के लिए उसके क्रोध को शान्त करने से है।

- पुराने नियम के युग में परमेश्वर ने इस्राएल के लिए अस्थाई प्रबन्ध किया था कि उनके पापों का प्रायश्चित लहू की बलि चढ़ाने से किया जाए जिसमें पशु का वध किया जाता था।
- जैसा नये नियम में लिखा है, क्रूस पर मसीह की मृत्यु ही पाप का एक मात्र सच्चा एवं स्थाई प्रायश्चित है।
- यीशु ने मरकर मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया था। उसने अपनी पापबलि की मृत्यु द्वारा प्रायश्चित का मूल्य चुका दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रायश्चित करना" का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ "मूल्य चुकाना" या "के लिए मूल्य देना" या "किसी के पाप क्षमा करवाना" या "अपराध का शोधन करना"।
- "प्रायश्चित" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "भुगतान" या "पाप का मूल्य चुकाने की बलि" या "क्षमादान का मार्ग उपलब्ध करवाना"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पैसों के भुगतान का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित के ढकने, क्षमा, प्रायश्चित, मेल-मिलाप, छुटकारा दिलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 43:25–27
- यहेजकेल 45:18–20
- लैव्यव्यवस्था 04:20–21
- गिनती 05:8–10
- गिनती 28:19–22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H3725, G2643

प्रायश्चित

परिभाषा:

"प्रायश्चित" यह एक ऐसी बलि है जो परमेश्वर के न्याय को सन्तुष्ट करने और उसके क्रोध को शान्त करने के लिए होती है।

- यीशु मसीह के लहू का बलिदान मानव जाति के पापों के निमित्त परमेश्वर के लिए अनुरंजन कार्य है।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने पाप के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध को शान्त कर दिया है। इसके द्वारा परमेश्वर मनुष्य पर कृपा दृष्टि कर पाता है और उन्हें अनन्त जीवन देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "तुष्टीकरण" या "परमेश्वर से पाप क्षमा करवाना तथा मनुष्यों को अनुग्रह प्रदान करवाना" हो सकता है।
- "प्रायश्चित" शब्द अर्थ में "प्रसादन" के निकट है। इन दोनों शब्दों के उपयोगों की तुलना करना महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, अनन्तकालीन, क्षमा, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 2:2
- 1 यूहन्ना 4:10
- रोमियो 3:25–26

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G2434, G2435

प्रायश्चित का ढकना

परिभाषा:

"प्रायश्चित का ढकना" वाचा के सन्दूक को ढंकने के लिए सोने का तख्त था। अनेक अंग्रेजी अनुवादों में इसे "प्रायश्चित का आवरण" भी कहा गया है।

प्रार्थना कर

- प्रायश्चित का ढकना 115 सेन्टी-मीटर लम्बा और 70 सेन्टी-मीटर चौड़ा था।
- प्रायश्चित के ढकने के ऊपर दो सोने के दो करूब थे उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए थे
- यहोवा का कहना था कि वह इस्राएलियों से भेंट करने के लिए प्रायश्चित के ढकने पर करूबों के फैले हुए पंखों के नीचे उपस्थित होगा। केवल महायाजक को प्रजा का प्रतिनिधि होकर यहोवा के पास जाने की अनुमति थी।
- इस स्थान को "दया का आसन" भी कहा गया है क्योंकि यह पापी मनुष्यों की मुक्ति हेतु परमेश्वर द्वारा अवतरण में उसकी दया प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "सन्दूक का आवरण जहां परमेश्वर मुक्ति दिलाने की प्रतिज्ञा करता है" या "वह स्थान जहां परमेश्वर मेल करता है" या "सन्दूक का ढकना जहां परमेश्वर क्षमा करके पुनरूद्धार करता है"।
- इसका अर्थ "प्रसादन का स्थान" भी हो सकता है।
- इस शब्द की तुलना "प्रायश्चित", "मेल" और "मुक्ति" शब्दों के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, प्रायश्चित, करूबों, प्रायश्चित, छुटकारा दिलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 25:15–18
- निर्गमन 30:5–6
- निर्गमन 40:17–20
- लैव्यव्यवस्था 16:1–2
- गिनती 07:89

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3727, G2435

प्रार्थना कर

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, अर्थात, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनाएं निहित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर रोगियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना भी होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं, जब हमारी आत्मा उसके आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना का भाव भी प्रकट करे।

(यह भी देखें: झूठे देवता, क्षमा, स्तुति)

प्रार्थना कर

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 3:9
- प्रे.का. 8:24
- प्रे.का. 14:26
- कुलुस्सियों 4:4
- यूहन्ना 17:9
- लूका 11:1
- मत्ती 5:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **6:5** इसहाक ने परमेश्वर से **प्रार्थना की**, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका गर्भवती हुई और जुड़वां पुत्रों को जन्म दिया|
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से **प्रार्थना की** और परमेश्वर ने उसकी **प्रार्थना** को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:8** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से **प्रार्थना करते** रहे, "हे बाल, हमारी सुन |"
- **21:7** याजक परमेश्वर से लोगों के लिए भी **प्रार्थना** करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा, **प्रार्थना** करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और **प्रार्थना करने** में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम **प्रार्थना करें**, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H6293, H6419, H6739, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना किया

परिभाषा:

"प्रार्थना किया" या "मध्यस्थता" का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- "के लिए मध्यस्थता करना" और "मध्यस्थता" का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।
- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है,अर्थात वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, "याचना करना", या (किसी से) "निवेदन करना" (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा "और निवेदन" का अनुवाद "आग्रह" या "अनुरोध" या "तत्काल प्रार्थना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "के लिए मध्यस्थता" का अनुवाद "के लिए अनुरोध करने के लिए" या "की ओर से अपील करें" या "परमेश्वर से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) परमेश्वर से निवेदन करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 07:25–26
- यशायाह 53:12
- यिर्मयाह 29:6–7
- रोमियो 08:26–27
- रोमियो 08:33–34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रिय

परिभाषा:

"प्रिय" शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और जो किसी का प्रिय है।

- "प्रिय" शब्द का वास्तविक अर्थ है "प्रिय जन" या "जिसे प्रेम किया जाता है"
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका "प्रिय पुत्र है"
- प्रेरितों द्वारा मसीह की कलीसियाओं को लिखे गए पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को "प्रिय" कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "स्नेही", या "प्रिय जन" या "अति प्रिय" या "अति स्नेहमय"
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "मेरे प्रिय मित्र" या "मेरे घनिष्ठ मित्र" अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, "मेरे प्रिय मित्र पौलुस" या "पौलुस, मेरे प्रिय मित्र" अन्य भाषाओं में इसको भिन्न रूप से क्रमबद्ध करनाअधिक स्वाभाविक होगा।
- ध्यान दें कि "प्रिय" शब्द उस शब्द से निकलता है जो परमेश्वर के प्रेम का है जो शर्तरहित,निःस्वार्थ से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और आत्मत्याग का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 4:14–16
- 1 यूहन्ना 3:2
- 1 यूहन्ना 4:7
- मरकुस 1:11
- मरकुस 12:6
- प्रकाशितवाक्य 20:9
- रोमियो 16:8
- श्रेष्ठगीत 1:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G00250, G00270, G52070

प्रिस्किल्ला

तथ्य:

प्रिस्किल्ला और उसका पति अक्विला यहूदियों से आए विश्वासी थे जिन्होंने प्रचार सेवा में पौलुस को सहयोग दिया था।

- प्रिस्किल्ला और अक्विला ने रोम से निर्वासन किया था क्योंकि सम्राट ने मसीही विश्वासियों को वहाँ से चले जाने की आज्ञा दी थी।
- पौलुस ने अक्विला और प्रिस्किल्ला से कुरिन्थ नगर में भेंट की थी। वे तम्बू बनाने वाले थे और पौलुस ने उनके साथ काम किया।
- पौलुस जब कुरिन्थ नगर से सीरिया गया तब प्रिस्किल्ला और अक्विला भी उसके साथ गए।
- सीरिया से ये तीनों इफिसुस नगर गए थे। पौलुस तो इफिसुस से चला गया था परन्तु प्रिस्किल्ला और अक्विला वहीं रूक गए और सुसमाचार प्रचार करते रहे।
- उन्होंने इफिसुस में अपुल्लोस नामक एक मनुष्य को विशेष शिक्षा दी थी, वह यीशु पर विश्वास करता था और एक अच्छा वक्ता एवं शिक्षक था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्वास, ईसाई, कुरिन्थ, इफिसुस, पौलुस, रोम, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19–20
- 2 तीमुथियुस 4:19–22
- प्रे.का. 18:1
- प्रे.का. 18:24

शब्द तथ्य:

Strongs: G4252, G4251

प्रेम

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

1. परमेश्वर के जैसा प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की सुधि रखता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।
   - यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि हमें कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को भी सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
   - जब लोग मनुष्यों से ऐसा प्रेम रखते हैं तब उनका व्यवहार प्रकट करता है कि उनके मन में मनुष्यों की उन्नति के विचार हैं| ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
   - ULT में "प्रेम" शब्द ऐसे ही आत्मत्याग के प्रेम को संदर्भित करता है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।
1. नये नियम में एक और शब्द है जो भाईचारे के प्रेम या मित्र के प्रेम या परिवार के किसी सदस्य से प्रेम करने को दर्शाता है|

प्रेम

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उनमें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा" है।

1. "प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष के मध्य भावुक प्रेम से भी है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए ULT में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में पति-पत्नी के बीच भावुक या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त करने के लिए एक सर्वथा भिन्न शब्द होता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मृत्यु, बलिदान, उद्धार, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:7
- 1 यूहन्ना 3:2
- 1 थिस्सलुनीकियों 4:10
- गलातियों 5:23
- उत्पत्ति 29:18
- यशायाह 56:6
- यिर्मयाह 2:2
- यूहन्ना 3: 16
- मत्ती 10:37
- नहेमायाह 9:32–34
- फिलिप्पियों 1: 9
- श्रेष्ठगीत 1:2

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से **प्रेम** रख और अपने पड़ोसी से अपने समान **प्रेम** रख।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके **प्रेम** को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में **प्रेम** करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से **प्रेम** है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत **प्रेम** के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- _48:1_परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ बहुर अच्छा था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से और परमेश्वर से **प्रेम** करते थे।

- _49:3_उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों से उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि तुम स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:4** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को **प्रेम** करना चाहिए।
- **49:7** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत **प्रेम** करता है।
- **49:9** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक **प्रेम** किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिले, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहे।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे **प्रेम** करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे घनिष्ठ सम्बन्ध बनाए रखे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0157, H0158, H0159, H0160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G00250, G00260, G53600, G53610, G53620, G53630, G53650, G53670, G53680, G53690, G53770, G53810, G53820, G53830, G53880

प्रेमी

परिभाषा:

"प्रेमी" अर्थात् "प्रेम करने वाला व्यक्ति।" यह शब्द प्रायः उन मनुष्यों के लिए है जिनके यौन संबन्ध होते हैं।

- बाइबल में "प्रेमी" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो किसी के साथ यौन संबन्ध रखता है, जिससे उसका विवाह नहीं हुआ है।
- ऐसा अवैध संबन्ध बाइबल में इस्राएल द्वारा मूर्तिपूजा करके परमेश्वर की अवज्ञा के लिए काम में लिया जाता है। अतः "प्रेमी" शब्द प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल द्वारा पूजा की जानेवाली मूर्तियों के लिए भी काम में लिया गया है। इन प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद संभव हो तो इस प्रकार किया जाए, "अवैध साथी" या "व्यभिचार के साथी" या "मूर्तियां", (देखें: उपमा)
- पैसों के "लोभी" (प्रेमी) ऐसा मनुष्य जो धनोपार्जन और धनवान होने को बहुत अधिक महत्व देता है।
- पुराने नियम में श्रेष्ठगीत की पुस्तक में "प्रेमी" शब्द का उपयोग सकारात्मक रूप में किया गया है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे देवता, मूरत, प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 02:4–5
- यिर्मयाह 03:1–2
- विलापगीत 01:1–2
- लूका 16:14–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H868, H5689, H7453, H8566, G865, G866, G5358, G5366, G5367, G5369, G5377, G5381, G5382

प्रेरित

परिभाषा:

"प्रेरितों", यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। "प्रेरिताई" अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

प्रोत्साहित करना

- "प्रेरित" शब्द का अर्थ है, "विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य"। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित हुए। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रेरित" शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ "भेजा गया मनुष्य" या "भेजा गया" या "मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य"।
- "प्रेरित" और "शिष्य" शब्दों का अनुवाद विभिन्नेंन रूपों में किया जाना आवश्यक है।
- ध्यान इस बात का भी रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रिय भाषा में कैसे किया गया है

(देखें अपरिचित का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अधिकार, चेले, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारह)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 1:17–19
- लूका 9:12–14

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि **प्रेरित** कहलाए। **प्रेरित** यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:1** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने **शिष्यों** को भेजा।
- **38:2** यीशु के **शिष्यों** में एक यहूदा नाम का एक पुरुष था। वह **चेलों** के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले **प्रेरितों** से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में सदा लौलीन रहे।
- **46:8** तब बरनबास ने उसे अपने साथ **प्रेरितों** के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G06510, G06520, G24910, G53760, G55700

प्रोत्साहित करना

तथ्य:

"प्रोत्साहित करना" और "प्रोत्साहन" शब्द किसी को सांत्वना, आशा, आत्मविश्वास और साहस प्रदान करने के लिए कुछ कहने और करने को संदर्भित करते हैं।

प्रोत्साहित करना

- इसी से मिलता-जुलता एक शब्द है "प्रबोधित करना", जिसका अर्थ है किसी को गलत कार्य को अस्वीकार करने और इसके बजाय अच्छे और सही कार्य करने के लिए प्रेरित करना।
- प्रेरित पौलुस और नए नियम के अन्य लेखकों ने मसीहियों को एक दूसरे से प्रेम करने और उनकी सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करना सिखाया।

अनुवाद सुझाव

- संदर्भ के आधार पर, “प्रोत्साहित करना” का अनुवाद “आग्रह करना” या “सांत्वना देना” या “दयालु बातें कहना” या “मदद और समर्थन” शामिल हो सकता है।
- वाक्यांश "प्रोत्साहन के शब्द देना" का अर्थ है "ऐसी बातें कहना जो अन्य लोगों को प्रेम, स्वीकृति, और सशक्त महसूस हो।"

(यह भी देखें: हतोत्साहित, आत्मविश्वास, प्रबोधित करना)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग: